an>

Title: Need to increase the honorarium of ASHA workers in the country.

डॉ. अंशुल वर्मा (हरदोई) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्वास्थ्य के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा 23 अगस्त, 2005 में आशा बहुओं की नियुक्ति ग्रामीण अंचलों के ग्राम पंचायतों में सेवा प्रदान करने के लिए की गयी थी। ...(व्यवधान)

महोदया, आशा कार्यकर्ताओं की कार्य ड्यूटी चौबीस घंटे की रहती है। ...(व्यवधान) इनका मुख्य कार्य गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की होती है, जो एक महत्वपूर्ण कार्य है। ...(व्यवधान) वे समय-समय पर राजकीय कार्यों में भी सहयोग प्रदान करना होता है। ...(व्यवधान)

महोदया, आशा बहु वेल्फेयर एसोसियेशन, उत्तर प्रदेश द्वारा मुझसे मांग की गयी थी कि मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री जी के सामने यह मांग रखूं कि उन्हें राजकर्मी घोषित करते हुए उनका मानदेय 18 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाये। ...(व्यवधान)

महोदया, मैं सदन के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी के संज्ञान में लाते हुए मांग करना चाहता हूं कि गुजरात, दिल्ली, उत्तराखंड आदि प्रदेशों में उन्हें मानदेय केवल छः हजार रुपया ही दिया जा रहा है। देश-प्रदेश में एक समान मानदेय दिया जाये, ऐसी मेरी सदन के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी से मांग है। बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

डॉ. किरीट पी. सोलंकी,

श्री सी.पी. जोशी,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्रीमती नीलम सोनकर,

श्रीमती अंजू बाला,

श्रीमती वीणा देवी,

श्रीमती प्रियंका सिंह रावत और

श्री शरद त्रिपाठी को डॉ. अंशुल वर्मा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)